Item Code: 948 Participant Code: 107

शिक्षा की नई चुनौतियाँ

आज के जमाने की शिक्षा पुराने से बहुत बहतरीन बन गई है। आज के जमाने में हम सेकड़ो लाग एक साथ एक ही कक्षा में एक साथ पढ़ सकते हैं इन्टर्नेट के माध्यम से। हम जो चाहे वो हम प्रापत कर सकते हैं। पर पुराने जमाने में एसा नहीं हुआ करता था। सब चीज़ पर नियंत्रण था। जानकारी अधिक नहीं थी। अगर कोई जानकारी प्राप्त करनी हो तो वो बड़ा मुश्कील थी। पुराने जमाने के लोग शिक्षा को अधिक महत्व नहीं देते थे। वह सब मानते थे कि शिक्षा से क्या होगा काम तो शिक्षा के बिना भी मिल सकती है। अगर हम गोर से सोच तो वह जमाने में यह बात सच्चाई थी। पर अगर आज की बात करें तो हम जान सकते हैं कि शिक्षा के बिना काम तो क्या जिना भी मुश्किल है। हम अकसर देख सकते हैं बहुत गरीब लोग बच्चों के साथ सड़कों पर बिख मागते हैं। पर वो यह नहीं

जानतें की अगर वह अपनें बच्चों को शिक्षा देगें तो किस हालत से बहार आ सकते हैं। वह सोचते हैं कि लोग अगर बच्चों के देखेगों तो और पैसा देगें। मगर यह नहीं ~~लोग~~ जानतें ~~की~~ यह बच्चें अगर पढ़ लिखकर बड़ें बनेगों तो पैसे ही नहीं अपनें घर खुशीयों भी ला पाएगें। आज के बच्चों के लिए अपनी सरकार क्या-क्या नहीं कर रही। सरकार सिर्फ कहती है कि आप-अपनें बच्चों को स्कूल तक पहुचाएँ बाकी जिमेद्वारी हमारी होगी।

इनका खान, पिना, कपड़े, पुस्तक आदि सरकार आठविं तक मुफ्त में बाट रहीं हैं। पर फिर भी माता-पिता बच्चों को स्कूल भेजनें में हिचकिचा रही हैं। क्यों? जब सरकार आपकें बच्चों के लिए इतना कर रही हैं तो क्या आप सिर्फ बच्चों को स्कूल तक नहीं पुहँचा सकते। और बच्चों का क्या कहना आज के बुढ़े लोगों के लिए तक स्कूल हैं। अगर आपकों पढ़नें कि चाहत हैं तो उम्र कोई भी हो कोई

फर्क नहीं पड़ेगा आप मन खोल कर पढ़ सकते हो। जो लोग पढ़ायें को कुछ नहीं समझते हैं वह लोग आगे जाकर उसकी महानता के सामने घुटने टेक देता है। आज के जमाने में शिक्षा के बिना एक समुह कि चिंतन भी नहीं कर सकते हैं। आज के बच्चे कल का भविष्य है। उनके जिव में सबसे बड़ी भुमिका शिक्षा ही निभाएगी। शिक्षा की सबसे बड़ी चुनौति है की सब सोचते हैं कि शिक्षा का अर्थ पैसा है। एक तरफ से वह भी सच ही है। अगर आप देखे तो पता चलता है कि आज के जमाने में करीब सारे बच्चे पैसा कमाने के लिए ही पढ़ते हैं। अगर आप लोग पैसोंसे जादा शिक्षा यानी ज्ञान पाने में ध्यान दें तो सबसे उपर आ सकोंगों। अगर आपके पास शिक्षा है तो इस संसार की सारी खुशी आपके पास आ सकती है। अगर आप अपना मन शिक्षा में अर्पित करते हैं। तो शिक्षा आपको बड़ी मंजिलों तक पहुँचा सकती है।

62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: 948 Participant Code: 107

शिक्षा यानी माँ सरसवती ~~ज~~ कह जाता है की माँ सरसवती शिक्षा की देवी है। जो लोग शिक्षा अपने मन में बिठाते हैं। वो माँ के गोद में आ जाते हैं। एक माँ चाहें कितनी भी कठीन परिस्थिति हो अपने बच्चों को कोई मुसिबत में नहीं छोडती है। इसी प्रकार हम शिक्षा एकाग्रता से करें तो हम अपनी शिक्षा में भरोसा कर सकतें है। शिक्षा हमें उचाइयों तक जरूर पहुँचाएगा।

आज के जमाने में शिक्षा की सब कुछ है। अगर आप शिक्षित ना हो तो अपना जिवन संकट में पट जाएगा। अनपढ़ लोगों की बात तो जानें दो ~~सक~~ आजकल तो शिक्षित लोग भी सुख से नहीं जि सकतें। और यह ही है शिक्षा की सबसें बड़ी चुनौतीयों में से सबसे बड़ी। शिक्षित होकर भी लोगों के पास काम की कमी हो रही है। हम कह तो सकतें है कि शिक्षा से हम सब पा सकतें है लेकिन यह कुछ हद तक ही सच है। पर यह भी सच है कि पुरी मन में जब शिक्षा ही हो तो हम

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

जरूर उंचाई यो तक पहुँच जायगो। और तो और आजकल सिर्फ काम के लिए ही नहीं इस समुह में जिने के लिए तक शिक्षा अत्यानिष्य है। तकि हम लोग हमारें जिव में हमारें साथ होनें वाली सत्या चारों को समझ सकें और उसके खिलाफ कुछ कर सके। आज हम जिस समुह में जि रहें है वहाँ कहा जाता हैं कि स्त्री-पुरुष तुल्य है। एक हद तक वह सच बन गाया पर देखनें पर पता चलता हैं कि हर जगह यह सच नहीं हैं।

अगर एक घर में एक बेटा पैदा हुआ हो तो वह उस बच्चें के लिए कुछ भी करगें। चाहें अपना घर ही क्यों ना बेच बेचकर उसे पढ़ानें में उन्हें सुख और खुशी मिलेगी। और वहीं जगह एक बेटी पेदा होती हैं तो उसकी पढ़ाई में किसीकों कोई दिलचस्बी नहीं होगा। कहतें हैं कि किसी और घर की दौलत हैं क्यो? क्या वह अपकी बेटी नहीं हैं। अब चाहें वो मेरिट में आकर मुफ्त की ही पढ़ाई क्यो न

62 nd Kerala School Kalolsavam, January 4 to 8, 2024, Kollam

Item Code: 948 Participant Code: 107

कर लो। उसे पढ़ाने में कोई खुशी उन्हें नहीं मिलती। और यह है, शिक्षा की दुसरी बड़ी चुनौती : स्त्री-पुरुष का भेद भाव।

और इसके कारण स्त्रीयों को हर जगह मुसीबत ही मिलती है। वह अज्ञान होती है जो अपने में हुए अत्याचारों के बारे में बेखबर है। वह अपनें जिव भर उस एक व्यक्ती की प्रतिक्षा में निकाल देते है जो उनके जिव को बदल सकता है। पर उनको कौन समझाए की वह व्यक्ति और कोई नही बल्कि वही वह ही है जो शिक्षा से अपने खुद के जिवन में बदलाव ला सकते है। जैसे नेलसन मंडेला का कहना है कि 'इस संसार में सबसे बड़ा हतियार शिक्षा है जिससे आप पुरे संसार को बदल सकतें हैं। इससे शिक्षा का महत्त्व साबित होता है। शिक्षा अपने जिवन में वह सब कर सकता हैं जो खुद भगवान नहीं कर पातें है।

शिक्षा की चुनौतियों में से एक है - इंटर्नेट। इस माया मई दुनिया में सब सब इंटर्नेट ही बन गई है। आप देख सकते है कि आज के जमाने में बड़े छोटे-से छोटा बच्चा तक इंटर्नेट की दुनिया में खोया रहता है। जो खाने के लिए, पिने के लिए और तो और सोने के लिए तक नेट का सहारा लेता है वो क्या तो शिक्षा की महत्व समझेगा। शिक्षा के लिए सबसे बड़ा साधन भी इंटर्नेट ही है उसी प्रकार सबसे बड़ा खतरा भी वही है। अगर आप उसें अच्छी तरह इसतेमाल करोगे तो शिक्षा प्राप्त करनें के लिए इससे अच्छा साधन आपको नहीं मिलेगा। उसी प्रकार अगर आप इस बुरी तरिके से उपयोग करोगे तो शिक्षा का उससे बड़ा दुश्मन दुसरा कोई नही होगा। इंटर्नेट के माध्यम से छोटी से छोटी जानकारी तक अपको घर बैठे प्राप्त होती है। हर खबर अपके पास होती है चाहें वो कहाँ की भी हो अपके पास रहती है। उसी प्रकार इंटर्नेट के कारण आजके

जमानें के बच्चों में मूल्य कम हो गया है। जैसे बड़ों से कैसे बात करते हैं, प्रकृती का आनंद लेना, बूढ़ों की मदत करना आदी का अभाव बहुत ज़ादा बन चुकी है।

शिक्षा का सबसे बड़ा आनंद एक स्त्री ही पा सकती है। जो शिक्षा के माध्यम से अपने पैरों पर खड़ी हुई हो। एक स्त्री का जनम ही विचीत्र है। जो पैदा होते ही अपने पिता की गुलाब रहती है जो पिता की आज्ञाओं का पालन करती है। चाहें उसें वह करना पसंद न हो पिता के लिए वह खुशी-खुशी सह लेती है। और उसके बाद पती आते हैं। जो उस पर अपना हक मानते हैं। जो उसे नोकरानी मानते हैं। वह खुशी-खुशी पतीदेव की पुजा करतें उनकी आज्ञाओं का पालन करेंगी। चाहें उसे वह पसंद न हो। उसके बाद आता है उसका बेटा तो सोचता है की माँ का जिवन तो उसी के लिए ही है। बूढ़ी होने पर वह अपने बेटे की गुलाब बन जाती है। क्या आपको लगता है यह ठीक है?

जो स्त्री खुशी-खुशी अपना जिव गुलामी में निकाल देती है और उसका कोई मुलिथ ही नही रहता है। यह समस्या दुर करने का एक ही रास्ता है और वह है शिक्षा। शिक्षा के माध्यम से वह स्त्री एक काम कमा सकती है जो अपने पैरों पर खड़ी रह सकती है। उसकी जगह का मुल्य बड़ा सकती है। वह अपने पसंद्र की ज़िंदगी जि सकती है। बस इससे ज़ादा उसके जिवन में क्या परीवर्तन चाहीए। शिक्षा का सबसे बड़ा महत्व है की वह लोगों को अपने खिलाफ होनें वाली अत्याचारों से बचा सकता है।

अगर उनकें पास सही जानकारी हो तो वह ~~अत्याचा~~ अत्याचारों के खिलाफ अवाज़ उठा सकतें हैं। उनकें खिलाफ लड़ सकतें हैं।

हमें इस जमानें में भी शिक्षा का महत्व पता नहीं चला तो सोचों हमारें आगें आने वाली पीढ़ी का क्या होगा। आज के बच्चें ही कल का देश है। देश का भविष्य है। और अगर देश को आप सुखा चाहते हैं तो आज के

बच्चों से सबसे अच्छी शिक्षा देती होगी। इस के लिए अगर इस देश का हर व्यक्ति प्रण ले तो हमें मालूम है कि हमारा देश कहाँ से कहाँ जा सकता है।

और आज कल शिक्षा के रास्ते मे सबसे बड़ा विघन लाने वाली वस्तु है। नशीले पदारथ नैशे में लोग अपने आप को भूल जाते हैं। एक जमाना जो नशे मे पढ़ा होगा वह जमानें में का उपलब्दी मिलेगी देश को? इस वक्त में आप सबसकों एक पुरानी समय की याद दिलाती है। यब बात चिन की है- सालों पहलें जब चिन सबसें बड़ा व्यापारी देश बना तो चिन के दुश्मनोनें वहाँ की युवकों को नशीले पदारथों का वितरण किया जिससे चिन के युवक सारें नशे से खुद को भूल बेठे। और चिन सबसे बड़े विकशीत देश से गिर कर कुछ न रहा। इसी प्रकार आज के जमानें के सबसें बड़े दुश्मनों से हर देश में ऐसे ही नशीले पदारथों का

सेवक बना दिया है। जिससे छोटे-से छोटे बच्चें तक शिक्षा को छोड़कर नशे के पिछे भागे जा रहें है। उन्हें नहीं पता की नशा यानी कुछ समय की खुशी है और शिक्षा यानी संपूर्ण संसार की खुशी है। जिसका आनंद वह अपने मृत्यु तक ले सकते है।

नशे के कारण वह खुशी का एहसास तो कर सकते है पर कितने समय तक कुछ दिन बाद उन्हें खुशी तो क्या अपना जिवन तक वापस नहीं मिल पाएगा। शिक्षा के कारण एक व्यक्ति पैसे वाला तो कम ही बन सकता है पर वह एक अच्छा व्यक्ति बनता है जो सही गलत का भेद समझकर अपना जिवन जिता है और यहीं लक्ष्य है शिक्षा की।

शिक्षा पाने मे कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। जैसे मलाला युशफजय ने कि। मुझें मालुम है कि मलाला को इस संसार के हर एक व्यक्ति जानता है जो शिक्षा करता है जो शिक्षा को श्रेष्ट मानता है। वह एक स्त्री

लड़की है जो शिक्षा के लिए अपने सिने में एक गोली खा गई। जो शिक्षा पाने थे न डरी जो शिक्षत बच्चों को देखना चाहती थी। जो एक अच्छे समाज का निरमाण कर रही थी। और उसे वापस क्या मिला उसके सिने मे गोली क्या उसके साथ हुआ अन्याय नहीं थी। तभी शिक्षा उसे महान बनाती है वह विश्व का सबसे बड़ा सम्मान प्रापत करती हैं शांती के लिए नोबल प्राइस। भला एक लड़की ने शिक्षा के लिए इतना किया तो क्या शिक्षा उसे एसे ही छोट देता। देखा वह लड़की अब कहाँ से कहाँ आ गई है। उस शिक्षा का ही कमाल है। शिक्षा के कारण इस समाज से बरी चीज़ों को निकाल सकते हैं। इस संसार में अच्छाई को भर सकते हैं।

शिक्षा पानें में कई चुनौतियां हम सामना कर सकते हैं। अगर हमें उसे लाखकर आगे जाने का आतम विश्वास है तो हमें कोई नही रोक सकता।

शिक्षा सिर्फ हमें ही नहीं पूरे देश को उचा करती है। एक देश में बच्चों की शिक्षा के अनुसार ही कल की उपलब्धिया निश्चय करती है। आज आप अपने बच्चों को शिक्षित करते है तो कल उसका ही नहीं पूरे देश का भविष्य आप अच्छा बनाते है। कहते है की जब आप एक लड़के को पढ़ाते है तो आप एक अच्छे मनुष्य का निर्माण करते है। और अगर आप एक लड़की को पढ़ाते हो तो आप एक अच्छे समुह का निर्माण करते हो। यह एक अफ्रिकी कहावत है।

शिक्षा सबसे महान है।

जय हिंद।